Seventeenth Loksabha

an>

Title: Need to take measures for water management and construction of dams in order to constrol recurring floods in Bihar.

श्रीमती रमा देवी (शिवहर): माननीय अध्यक्ष जी, बिहार में प्रत्येक वर्ष बाढ़ रूपी आपदा आती है । हम सब इसमें होने वाले दुष्प्रभाव से भलीभांति परिचित हैं ।

मैं सदन का ध्यान नेपाल के तराई क्षेत्र से सटे मेरे संसदीय क्षेत्र शिवहर, सीतामढ़ी और पूर्वी चम्पारण जिले से गुजरने वाली बूढ़ी गंडक, लालबकेया, मनुषमारा और बागमती नदियों की ओर दिलाना चाहती हूं ।

नेपाल के रास्ते बिहार की इन नदियों में अचानक आने वाले पानी के तेज प्रवाह के दबाव को रोकने में इनके तटबंध नाकाफी साबित हो रहे हैं, जिसके कारण इस क्षेत्र में हर साल बाढ़ की समस्या रहती है तथा भारी जानमाल की क्षति होती है । बिहार के पिछड़ेपन के कारणों में बाढ़ सबसे प्रमुख है । बाढ़ के कारण प्रत्येक वर्ष किसानों की लाखों हेक्टेयर भूमि में लगी फसल बर्बाद हो जाती है, जिसका सीधा असर लोगों की आर्थिक स्थिति पर पड़ता है । इससे हजारों लोग बेघर हो जाते हैं, रोजगार खत्म हो जाते हैं और लोग दूसरे राज्यों में पलायन करने पर विवश हो जाते हैं । बाढ़ से छोटी-बड़ी सड़कें क्षतिग्रस्त भी हो जाती हैं ।

हम समझते हैं कि पड़ोसी देश नेपाल की सरकार से वार्ता करके जल प्रबंधन हेतु ठोस नीति बनाने की आवश्यकता है ।

मैं नदी से नदी जोड़ने वाली बात के बारे में बार-बार कह रही हूं कि हमारे पूर्व प्रधान मंत्री अटल बिहारी वाजपेयी जी ने इसको पूरा किया था । लेकिन, पता नहीं उसे किस कारण ठंडे बस्ते में बंद कर दिया गया है । हम लोगों की गरीबी अभी दूर नहीं हुई है । हम लोग बहुत गरीब हैं ।

अत: सदन के माध्यम से मैं सरकार से अनुरोध करती हूं कि इस विषय पर गंभीरतापूर्वक विचार करते हुए बिहार की जनता के व्यापक हित में नेपाल के रास्ते मेरे संसदीय क्षेत्र से होकर गुजरने वाली बूढ़ी गंडक, लालबकेया, मनुषमारा एवं बागमती नदियों द्वारा प्रत्येक वर्ष आने वाली बाढ़ के स्थायी निदान के लिए जल प्रबंधन एवं डैम का निर्माण करने हेतु आवश्यक कार्रवाई की जाए । बहुत-बहुत धन्यवाद ।